सेकेंडरी स्कूल टर्म II परीक्षा 2022

अंक-योजना / हिंदी (A), कोड- 002

कक्षा- 10 वीं प्रश्न पत्र 3/1/1

सामान्य निर्देशः

1.आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी भूल भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है जो परीक्षार्थियों के लिए भविष्य, शिक्षा-प्रणाली और अध्ययन-अध्यापन व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ और समझ लें।

2. मूल्यांकन एक गोपनीय नीति है। आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं से संबंधित होने की वजह से मूल्यांकन की गोपनीयता अनिवार्य है। सार्वजनिक रूप से किसी भी तरह इसके लीक होने पर परीक्षा-प्रणाली पर दुष्प्रभाव पड़ सकता है जो लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीति/दस्तावेज को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना आईपीसी (IPC) के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।

3. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन समग्रता पूर्वक और निष्ठापूर्वक किया जाए। हालांकि मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित और नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ। कक्षा दसवीं के प्रश्न पत्र में दिए गए दक्षता आधारित**(competency based)** प्रश्नों के मूल्यांकन करने में कृपया विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें; उनके उत्तर चाहे अंक योजना में दिए गए उत्तर से मेल न खाते हों तब भी सही दक्षताओं की परिगणना की गई हो तो अंक दिए जाने चाहिए।

4. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकन कर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें और आश्वस्त हों कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब आप आश्वस्त हो, कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।

5. परीक्षक सही उत्तर पर सही का निशान (✔) लगाएँ और गलत उत्तर के लिए गलत का (x)। मूल्यांकन करता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह भूल सर्वाधिक की जाती है।

6. यदि किसी प्रश्न के उपभाग भी हों तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर दाईं ओर अंक दिए जाएँ। बाद में उपभागों के इन अंकों का योग बाईं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।

7. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हो तो बाईं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

8. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर भी लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों उन्हें ही स्वीकार करें/ उन्हीं पर अंक दें।

9. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।

10. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0-40 (उदाहरण 0-40 अंक जैसा कि प्रश्न पत्र में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे 40 अंक देने में संकोच न करें।

11. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है और प्रतिदिन मुख्य विषयों की 30 उत्तर पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 35 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)

12. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं –

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर के लिए दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि
- योग करने में अंकों और शब्द में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि

- उत्तरों पर सही का चिह्न (✔) करना किंतु अंक न देना। (सुनिश्चित करें कि (✔) या (**x**) का उपयुक्त निशान ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो)
- उत्तर का एक भाग सही और दूसरा गलत हो किंतु अंक न दिए गए हों।

13. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।

14. उत्तर पुस्तिका पर किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना मूल्यांकन कार्य में लगे सभी लोगों की छवि को और माध्यमिक शिक्षा परिषद की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है।

15. सभी परीक्षक वास्तविक मूल्यांकन कार्य से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित हो जाएँ।

16. प्रत्येक परीक्षक सुनिश्चित करें कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है, आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।

17. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देती है।

अंक-योजना मार्च, 2022

प्रश्न पत्र 3/1/1

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न अनुभाग	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
		खंड 'क' **(पाठ्य-पुस्तक एवं पूरक पाठ्य-पुस्तक)**	
1	1	प्रश्न – निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में लिखिए :	
	(क)	प्रश्न – 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' पाठ के शीर्षक की सार्थकता तर्क सहित सिद्ध कीजिए। **उत्तर** – • संक्षिप्त, सटीक और पाठ की विषय-वस्तु का संकेत • फ़ादर कामिल बुल्के की विशेषताओं-करुणा, दिव्यता, मानवीयता, परोपकार, वात्सल्य आदि को सामने लाने वाला	1+1=2
	(ख)	प्रश्न – फ़ादर कामिल बुल्के जैसे संन्यासी भी किस बात पर झुँझला जाया करते थे और क्यों? 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' पाठ के आधार पर लिखिए। **उत्तर** – • हिंदी भाषियों द्वारा ही हिंदी की उपेक्षा पर; • हिंदी भाषा के प्रति अत्यधिक प्रेम और सम्मान के कारण / हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में देखने की इच्छा के कारण	1+1=2
	(ग)	प्रश्न – 'लखनवी अंदाज़' पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक ने सेकंड क्लास का टिकट क्यों खरीदा? **उत्तर** – • भीड़ से दूर एकांत में नई कहानी के विषय में सोचने के लिए • खिड़की से बाहर प्राकृतिक दृश्यों का आनंद लेने के लिए • अधिक दूरी का सफ़र न होने के कारण, टिकट ज्यादा महँगा नहीं लग	

प्रश्न	प्रश्न अनुभाग	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
		रहा था। (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	1+1=2
1	(घ)	प्रश्न – यदि लेखक ने खीरा खा लिया होता तो क्या नवाब साहब भी खीरा खा लेते? 'लखनवी अंदाज़' पाठ के आधार पर तर्क सहित स्पष्ट कीजिए। **उत्तर** – (संदर्भगत स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य) उदाहरणार्थ – संभवतः हाँ! • नवाब साहब को लेखक के सामने खीरे जैसी साधारण वस्तु को खाने में संकोच हो रहा था, यदि लेखक खीरा खाते तो नवाब साहब को भी संकोच न होता। • खीरे खाने के लिए ही खरीदे होंगे, फेंकने के लिए नहीं। • वे लेखक से भी बार-बार खीरा खाने का आग्रह कर रहे थे। अथवा संभवतः नहीं! • लेखक के खीरा खाने के उपरांत भी वे नवाबी शान का प्रदर्शन करते और नहीं खाते। • श्रेष्ठता दिखाने के लिए खीरा नहीं खाते। • उन्हें यह दिखाना था कि खीरे को सूँघने से ही तृप्ति मिल सकती है।	2
2	2	प्रश्न – निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में लिखिए :	
	(क)	प्रश्न – यदि 'उत्साह' कविता को कोई अन्य शीर्षक देना हो तो आप क्या शीर्षक देना चाहेंगे और क्यों?	

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न अनुभाग	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
		उत्तर – (कविता के मूल भाव को व्यक्त करने वाला कोई भी सार्थक शीर्षक स्वीकार्य) उदाहरणार्थ – • क्रांतिदूत, बादल-राग, बादल-गीत, नवचेतना, क्रांतिचेतना आदि (दिए हुए शीर्षक की सार्थकता को स्पष्ट करने वाला उपयुक्त तर्क अपेक्षित) उदाहरणार्थ – • 'उत्साह' कविता में क्रांति की चेतना जगाने की बात की गई है, बादल क्रांतिदूत हैं। • कविता के मूल भाव और संदेश को व्यक्त करने वाला संक्षिप्त और सटीक शीर्षक है।	1+1=2
	(ख)	प्रश्न – 'अट नहीं रही है' कविता के आधार पर लिखिए कि 'फागुन' का व्यक्ति के मन-मस्तिष्क पर क्या प्रभाव पड़ता है? **उत्तर** – • फागुन का सौंदर्य बहुत आकर्षक लगता है। • दृष्टि बँध जाती है, चाहकर भी नज़रें हटा नहीं पाता, उसका मन नहीं भरता। • प्राकृतिक सौंदर्य को मन में समा लेना चाहता है। • मन, आनंद और प्रफुल्लता से भर जाता है। • मन कल्पनाओं में खोकर उड़ान भरने लगता है। (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	1+1=2
	(ग)	प्रश्न – 'कन्यादान' कविता में 'लड़की होना पर लड़की जैसी दिखाई न देने' की बात क्यों कही गई है?	

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न अनुभाग	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
		उत्तर – यह समझाने के लिए कि – • स्त्री-सुलभ गुणों जैसे - संवेदनशीलता, स्नेह, करुणा, कोमलता आदि से परिपूर्ण हो परंतु उन्हें अपनी कमज़ोरी न बनने दे। • समाज इन स्त्री-सुलभ गुणों को उसकी कमज़ोरी मानता है। • उसे ऐसी स्थिति के प्रति सचेत और दृढ़ रहना चाहिए। (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	1+1=2
	(घ)	प्रश्न – 'कन्यादान' कविता में आई पंक्ति 'लड़की अभी सयानी नहीं थी' का आशय स्पष्ट कीजिए। **उत्तर** – • लड़की अपरिपक्व, भोली-भाली और मासूम थी। • वह जीवन के कठोर यथार्थ, समाज की कठिनाइयों से अपरिचित थी। • माँ के आश्रय में जीवन के सुख से परिचित किंतु दुख से अपरिचित थी। (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	1+1=2
3	3	प्रश्न – निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :	
	(क)	प्रश्न – 'माता का अँचल' पाठ में वर्णित खेल-खिलौनों की दुनिया वर्तमान खिलौनों की दुनिया से बेहतर थी, क्यों? कारण सहित उत्तर दीजिए। **उत्तर** – वर्तमान खेल-खिलौनों की अपेक्षा पाठ में वर्णित खेल-खिलौने :- • सामाजिक मेल-मिलाप, परस्पर सहयोग, आत्मीयता, समूह भावना को बढ़ावा देने वाले थे।	

प्रश्न	प्रश्न अनुभाग	उत्तर–संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक – विभाजन
		• खिलौने या खेल सामग्री आसपास की सहज उपलब्ध वस्तुएँ, स्वनिर्मित, प्राकृतिक और स्वास्थ्यकर होती थीं। • शारीरिक–मानसिक विकास में उपयोगी थे। • जीवन की सहज व्यावहारिक शिक्षा देने वाले थे। (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	1+1+1=3
3	(ख)	प्रश्न – 'जॉर्ज पंचम की नाक' पाठ के आधार पर 'नाक' शब्द की प्रतीकात्मकता स्पष्ट करते हुए बताइए कि जॉर्ज पंचम की लाट पर लगाई जाने वाली नाक के समाधान ही मूर्तिकार की परेशानी के कारण कैसे बन गए। उत्तर – नाक की प्रतीकात्मकता – • प्रतिष्ठा का प्रतीक (अनेक मुहावरों में इसी अर्थ में प्रयुक्त); मूर्तिकार द्वारा दिए गए समाधान और उनसे उत्पन्न होने वाली परेशानी – • मूर्ति के पत्थर की जानकारी माँगी परंतु फ़ाइलें नहीं मिलीं। • पूरे देश के पहाड़ों का भ्रमण कर पत्थर ढूँढ़ना पड़ा, परंतु समान पत्थर नहीं मिला। • देश के स्वतंत्रता सेनानियों और बाल शहीदों की मूर्तियों की नाक की भी नापतौल की परंतु वे भी जॉर्ज पंचम की नाक से बड़ी निकलीं। • ज़िंदा नाक लगाने का सुझाव दिया। • आर्थिक हानि का भय (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	1+2=3
	(ग)	प्रश्न – 'साना–साना हाथ जोड़ि .....' पाठ में पर्वतीय क्षेत्रों में बढ़ती मानवीय गतिविधियों के किन दुष्प्रभावों का उल्लेख किया गया है? स्पष्ट कीजिए।	

प्रश्न	प्रश्न अनुभाग	उत्तर–संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक – विभाजन
		उत्तर – दुष्प्रभाव :– • प्रदूषण में वृद्धि • गंदगी • बर्फ़बारी (स्नो फॉल) में कमी • प्राकृतिक स्वरूप में हानि (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	1+1+1=3
		खंड 'ख' **(रचनात्मक लेखन)**	
4	4	प्रश्न – निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 150 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए :	
	(क)	**आत्मनिर्भर भारत** • आत्मनिर्भरता आवश्यक क्यों? • अभियान का प्रभाव • बाधाएँ और सुझाव	
	(ख)	**ऑनलाइन खरीदारी : व्यापार का बदलता स्वरूप** • वर्तमान में इसकी अनिवार्यता • सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव • सुझाव	
	(ग)	**जैविक (ऑर्गेनिक) खेती : एक कदम प्रकृति की ओर** • समय की माँग	

प्रश्न	प्रश्न अनुभाग	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
		• सकारात्मक प्रभाव • कठिनाइयाँ, सुझाव **उत्तर** – अनुच्छेद-लेखन • भूमिका + निष्कर्ष = 1 अंक • विषयवस्तु = 3 अंक • भाषा शुद्धता = 1 अंक विशेष निर्देश :– • दिए गए संकेत बिंदुओं को शामिल करते हुए यथोचित विषय-वस्तु लेखन, स्तरीय और रचनात्मक भाषा प्रयोग पर पूरे अंक दिए जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ।	5
5	(क)	आपका भाई सोशल मीडिया पर बहुत अधिक समय व्यतीत करने लगा है। इसकी हानियों एवं स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों का उल्लेख करते हुए लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए। अथवा	
	(ख)	अपने क्षेत्र में एक 'योग प्रशिक्षण केन्द्र' खोले जाने का निवेदन करते हुए स्वास्थ्य मंत्री को लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए।	

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न अनुभाग	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
		उत्तर – पत्र-लेखन • प्रारूप (आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ) = 1 अंक • विषयवस्तु = 3 अंक • भाषा शुद्धता = 1 अंक विशेष निर्देश :– • उपयुक्त प्रारूप होने पर ही पत्र माना जाए और अंक दिए जाएँ। • प्रारूप और आरंभ-अंत की औपचारिकताओं में किसी तरह का रूढ़ बंधन तय नहीं किया जाए। (दाएँ-बाएँ, सेवा में आदि पर अतिरिक्त ध्यान न दिया जाए) • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ।	5
6	(i)(क)	हस्तनिर्मित वस्तुओं का निर्माण करने वाले शिल्पकारों की संस्था 'कलाकौशल' के प्रचार-प्रसार के लिए एक आकर्षक विज्ञापन लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए। अथवा	
	(ख)	सोलर बल्ब और लाइट बनाने वाली कंपनी 'रोशनी' के लिए लगभग 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।	

अंक–योजना मार्च, 2022

प्रश्न पत्र 3/1/1

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') कक्षा – दसवीं

प्रश्न	प्रश्न अनुभाग	उत्तर–संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक – विभाजन
6	(ii)(क)	अंगदान के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से लगभग 50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए। अथवा	
	(ख)	'ललित कला केन्द्र' कथक और भरतनाट्यम नृत्य कला का प्रशिक्षण प्रारंभ कर रहा है। इसके प्रचार-प्रसार के लिए लगभग 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। **उत्तर** – विज्ञापन–लेखन • रचनात्मकता + प्रस्तुति = 1 अंक • विषयवस्तु = 1 अंक • भाषा शुद्धता = ½ अंक = 2½ अंक विशेष निर्देश :– • विज्ञापन लेखन में रंगों और चित्रों का प्रयोग अनिवार्य नहीं है। इसके लिए अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम आधा अंक काटा जा सकता है। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ।	2½+2½=5
7	(i)(क)	संघ लोक सेवा आयोग की प्रशासनिक प्रतियोगिता परीक्षा में चयन हो जाने पर बड़ी बहन को लगभग 40 शब्दों में बधाई संदेश लिखिए। अथवा	
	(ख)	आपके बड़े भाई का चयन विद्यालय की फुटबॉल टीम में कप्तान के रूप में हो गया है। उसके लिए लगभग 40 शब्दों में बधाई संदेश लिखिए।	

अंक–योजना मार्च, 2022

प्रश्न पत्र 3/1/1

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') कक्षा – दसवीं

प्रश्न	प्रश्न अनुभाग	उत्तर–संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक – विभाजन
7	(ii)(क) (ख)	राजस्थान निवासी अपने मित्र को 'गणगौर' पर्व के अवसर पर लगभग 40 शब्दों में एक शुभकामना संदेश लिखिए। अथवा 'शिक्षक दिवस' के सफल आयोजन के लिए विद्यालय के छात्रों को प्राचार्य की ओर से लगभग 40 शब्दों में एक साधुवाद बधाई संदेश लिखिए। **उत्तर** – संदेश–लेखन • प्रारूप = ½ अंक • विषयवस्तु = 1½ अंक • भाषा शुद्धता = ½ अंक = 2½ अंक विशेष निर्देश – • संदेश लेखन का कोई निश्चित प्रारूप नहीं है फिर भी प्रश्नानुकूल उपयुक्त प्रारूप को आवश्यक माना जाए। एक सामान्य प्रारूप के भीतर लेखन को ही संदेश माना जाए। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द–सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम आधा अंक काटा जा सकता है। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ।	2½+2½=5